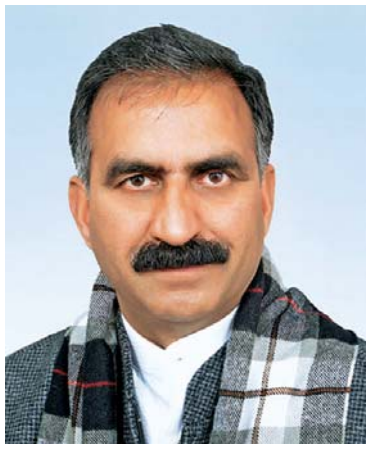

आदर्श हिमाचल

Aadarshhimachal.com | aadarshhimachal@gmail.com

खबरें विकास की, मुद्दे जनता के

शिमला 16 जनवरी से 22 जनवरी, 2024 | RNI No. HPHIN/2017/70267 | ◆ वर्ष 9 ◆ अंक 03

सीएम सुक्खू बोले- अनाथ बच्चों को अपनाने के लिए आगे आए समाज का संपन्न वर्ग

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

शिमला। मुख्यमंत्री ने समाज के समृद्ध लोगों से अपील की कि वे शिशु गृह व आश्रमों में पल रहे अनाथ किशोर बच्चों को अपनाने (दत्तक ग्रहण) के लिए आगे आएं ताकि इन बच्चों का सुखद व उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री एवं हिमाचल प्रदेश बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने ओक ओवर शिमला में शिशु गृह टूटीकंडी शिमला में पल रही अनाथ बेटी 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' ज्योति (काल्पनिक नाम) का उसके भावी माता-पिता को दत्तक ग्रहण करवाया। उन्होंने ज्योति के भावी माता-पिता को बधाई दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समाज के समृद्ध लोगों से अपील की कि वे शिशु गृह व आश्रमों में पल रहे अनाथ किशोर बच्चों को अपनाने (दत्तक ग्रहण) के लिए आगे आएं ताकि इन बच्चों का सुखद व उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के कमजोर व गरीब वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रदेश सरकार ने अनाथ व असहाय वर्गों के दर्द को समझा और मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना आरंभ की है।

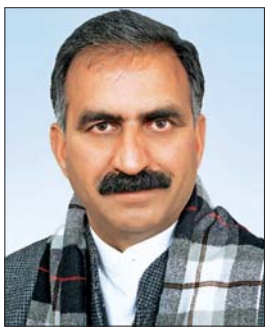

प्रदेश के 4000 अनाथ बच्चों की अब प्रदेश सरकार ही माता, सरकार ही पिता है और इन्हें चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट के रूप में अपनाया है। अनाथ बच्चों व बेसहारा वर्गों के लिए कानून के तहत योजना बनाने वाला हिमाचल देश का पहला राज्य बना है। इन्हें अब तक लगभग 18 करोड़ रुपये के लाभ दिए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री सुख आश्रय कोष प्रदेश सरकार के इन प्रयासों की दिशा में एक और सार्थक पहल है। इसमें प्रदेशवासियों से बहुमूल्य योगदान मिला है। मंत्रिमंडल के सहयोगियों और विधायकों ने भी अंशदान किया है। अनाथ बच्चों के रहन-सहन, शिक्षा से लेकर उनके भविष्य को सुरक्षित करने में यह कोष सहायक बना है ।

इस अवसर पर मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी, निदेशक महिला एवं बाल विकास रूपाली ठाकुर तथा हिमाचल प्रदेश बाल कल्याण परिषद के महासचिव मोहन दत्त शर्मा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने सड़क हादसे में पांच लोगों के निधन पर शोक व्यक्त किया

मुख्यमंत्री सुक्खू ने जिला किन्नौर के रिकांगपिओ-शिरारी सड़क हादसे में पांच लोगों के निधन पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को प्रभावी परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। सुक्खू ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

जेओए आईटी 817 भर्ती का परिणाम जारी करने की मांग के लिए सचिवालय के समीप गरजे अभ्यर्थी

शिमला। गुरुवार को अभ्यर्थियों ने पोस्ट कोड 817 भर्ती परीक्षा का परिणाम जल्द जारी करने की मांग को लेकर राज्य सचिवालय के समीप धरना दिया। इस दौरान सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (जोओए) आईटी पोस्ट कोड 817 भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी नहीं होने से अभ्यर्थियों में रोष है। गुरुवार को अभ्यर्थियों ने भर्ती परीक्षा का परिणाम जल्द जारी करने की मांग को लेकर राज्य सचिवालय के समीप धरना दिया। इस दौरान सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जेओए आईटी 817 के अंतिम रिजल्ट को घोषित कर 31 मार्च 2024 से पहले इन पदों पर नियुक्त देने की सरकार से मांग उठाई है। 21 मार्च 2021 को इन पदों के लिए परीक्षा हुई थी, लेकिन परिणाम अब तक नहीं निकला। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका था। 9 नवंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने 2020 के नियमों के आधार पर अभ्यर्थियों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए रिजल्ट जल्द घोषित करने के आदेश सरकार को दिए थे, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सदियों की प्रतीक्षा का फल-राम मंदिर

श्रीराम का जीवन हो या हो अलौकिक मंदिर निर्माण, सहने पड़े दोनों को ही अनंत संघर्षों के बाण।।

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

शिमला। वर्षों की प्रतीक्षा के पश्चात् हृदय को हर्षो-उल्लास और उमंग से भर देने वाला, नैनों में भक्ति की अविरल धारा प्रवाहित करने वाला क्षण 22 जनवरी को आने वाला है। राम लला की प्राण प्रतिष्ठा और उनके स्वागत के भव्य आयोजन के हम भी साक्षी होंगे, यह राम कृपा और हमारा अहोभाग्य है। फिर से प्रभु श्री राम अपने जन्म स्थल में विराजमान होने वाले है। राम मंदिर निर्माण हो या श्री राम का जीवन, धैर्य इसमें सदैव महत्वपूर्ण रहा है। राम भक्तों जैसे अहिल्या, शबरी, केवट, सुग्रीव इत्यादि ने भी अनंत प्रतीक्षा के पश्चात् ही प्रभु से भक्ति का अनुराग प्राप्त किया था। भक्त हनुमान, माता सीता और भाई भरत ने भी श्री राम से धैर्य का ही पाठ सीखा था। राम लला के विराजमान होने का सभी भक्तजन तत्परता से इंतज़ार कर रहे है। प्रत्येक भक्त इस भव्य आयोजन पर हर्षो-उल्लास से झूमना चाहता है। आकुल-व्याकुल होकर राम लला के दर्शन का मनोरम दृश्य अपनी आँखों में संजो लेना चाहता है। अयोध्या जाकर राम लला के साथ बस राम मय होना चाहता है। यह ऐतिहासिक दिन हमें सूर्यवंशी राम के आगमन के साथ अनंत भक्ति के सागर में डूबने को लालायित करता है। राम के धैर्य का पाठ हमें राम जन्मभूमि पर राम लला के आगमन में भी दिखाई दिया। संघर्षों के घेराव को भेदकर विजय प्राप्त करना ही जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। बहु प्रतीक्षित क्षण में राम लला का विराजमान होना तो निश्छल, सरल भक्तों की भक्ति का ही परिणाम है। हे राम लला तेरा वंदन, अभिनन्दन है। राम लला के अमोघ दर्शन एक अनूठे स्वप्न के साक्षात्कार का शंखनाद है। राम लला स्वरुप में आप हमें पुन: धैर्यवान बनने का पाठ सिखाते है।

विद्यार्थी 22 जनवरी तक भर सकेंगे रिअपीयर परीक्षा के लिए फार्म

मंडी। सरदार पटेल विश्वविद्यालय (एसपीयू) मंडी ने अपना परीक्षा पोर्टल दोबारा से सक्रिय कर दिया है। इसमें लॉग इन करके विद्यार्थी 22 जनवरी दोपहर 12:00 बजे तक अपने परीक्षा फार्म भर सकते हैं। बीए, बीएससी और बीकॉम, शास्त्री और डिप्लोमा कोर्स की रिअपीयर परीक्षाओं के लिए विद्यार्थी 22 जनवरी तक परीक्षा फार्म सकेंगे।

हिमाचल के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड लागू करने की तैयारी, प्रस्ताव मांगा

शिमला। शिक्षा सचिव राकेश कंवर ने प्रदेश में शिक्षकों के लिए स्वैच्छिक ड्रेस कोड लागू करने के लिए उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. अमरजीत कुमार शर्मा से प्रस्ताव मांगा है। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड लागू करने की तैयारी शुरू हो गई है। शिक्षा सचिव राकेश कंवर ने प्रदेश में शिक्षकों के लिए स्वैच्छिक ड्रेस कोड लागू करने के लिए उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. अमरजीत कुमार शर्मा से प्रस्ताव मांगा है। कई स्कूलों के प्रिंसिपलों ने शिक्षकों के आग्रह पर ड्रेस कोड को शुरू करने की निदेशालय से मंजूरी मांगी है। निदेशालय ने अपने स्तर पर मंजूरी देने की जगह शिक्षा सचिव को मामले से अवगत कराया। इसके चलते शिक्षा सचिव ने प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए हैं। सरकार की मंजूरी के बाद इस बाबत अंतिम फैसला लिया जाएगा। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शिक्षकों के लिए फॉर्मल ड्रेस और शिक्षिकाओं के लिए साड़ी या साधारण सूट-सलवार की ड्रेस कोड तय हो सकती है। देश के कई राज्यों में सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड लागू है। इसी तर्ज पर अब सूबे में भी यही व्यवस्था की जा रही है। हालांकि इसे अभी स्वैच्छिक तौर पर शुरू किया जाना है। शिक्षकों की ड्रेस के रंग तय करने के लिए अधिकारियों ने अन्य राज्यों का ड्रेस कोड स्टडी करना शुरू कर दिया है। इस बाबत विषय विशेषज्ञों से भी मदद ली जाएगी। शिक्षक-शिक्षिकाओं के स्कूल में फैशनेबल कपड़े पहनकर आने पर पहले से ही प्रदेश में रोक लगाई गई है। प्रदेश के कई स्कूलों में पहले से ही शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड लागू है।

हिमाचल : एनपीए मामले पर पीएचसी से लेकर जिला अस्पतालों में काले बिल्ले लगाकर ड्यूटी दे रहे डॉक्टर

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर जिला अस्पतालों में डॉक्टरों ने गुरुवार सुबह से काले बिल्ले लगाकर ड्यूटी दी। नॉन प्रैक्टिस अलाउंस (एनपीए) मामले को लेकर डॉक्टरों में रोष है। हिमाचल प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर जिला अस्पतालों में डॉक्टरों ने गुरुवार सुबह से काले बिल्ले लगाकर ड्यूटी दी। हिमाचल चिकित्सा अधिकारी संघ के महसचिव डॉ. विकास ठाकुर ने कहा कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आने वाले सप्ताह में कड़े फैसले लिए जाएंगे। शिमला में सुबह 9:30 बजे के करीब दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल के बाहर डॉक्टरों ने गेट मीटिंग भी की।

संघ के अनुसार चिकित्सक लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर सरकार से मिल रहे हैं, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिल रहे हैं। अभी तक उनकी मांगों को पूरी नहीं किया गया है। हालांकि, सात महीने पहले सरकार ने मांगों को पूरा करने की बात कही थी। गुरुवार को जिला मंडी, बिलासपुर, हमीरपुर, कुल्लू सहित अन्य क्षेत्रीय अस्पतालों में चिकित्सकों ने काले बिल्ले लगाकर ड्यूटी देना शुरू किया।

खनेरी अस्पताल के चिकित्सकों ने किया प्रदर्शन, बिल्ले लगाकर दी ड्यूटी

रामपुर बुशहर। एमपीए और अन्य समस्याओं का अभी तक हल नहीं होने पर महात्मा गांधी खनेरी अस्पताल के चिकित्सकों ने गुरुवार को काले बिल्ले लगाकर प्रदेश सरकार के खिलाफ रोष प्रकट किया। इस दौरान सुबह 9:00 बजे से सभी चिकित्सकों ने एक घंटा प्रदर्शन करने के बाद काले बिल्ले लगाकर मरीजों का उपचार किया। एचएमओए की रामपुर इकाई के सदस्य डॉ. राजेश्वर, डॉ. अजीत नेगी, डॉ. पदम नेगी, डॉ. संदीप नेगी और डॉ. संजय ने कहा कि डॉक्टरों को एनपीए और आठ दस सालों के बाद केवल 33,660 प्रतिमाह

वेतन दिया जा रहा है। यह डॉक्टरों के साथ अन्याय है। उन्होंने डॉक्टरों को सालों से मिलने वाला एसीएस 4-9-14 को जल्द बहाल करने की मांग की है। सोलन में भी डॉक्टरों ने काले बिल्ले लगाए। इसके अलावा क्षेत्रीय अस्पताल धर्मशाला में भी डॉक्टरों ने गेट मीटिंग कर अपना विरोध जताया।

चार वर्षों में होगी 1932 बसों की खरीद कैशलेस और क्यूआर कोड से टिकट का भुगतान

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

शिमला। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में हुई बीओडी बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। हिमाचल पथ परिवहन निगम के निदेशक मंडल की 155वीं बैठक गुरुवार को आयोजित की गई। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। बीओडी में फैसला लिया गया है कि एचआरटीसी में यूपीआई, क्यूआर कोड सहित क्रेडिट, डेबिट और एनसीएमसी कार्ड के माध्यम से जल्द कैशलैस टिकट सिस्टम की शुरुआत की जाएगी। कैशलेस टिकटिंग सुविधा देने वाला हिमाचल देश का पहला राज्य होगा। बीओडी बैठक में लंबित चालक भर्ती को जल्द बहाल करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही वर्ष 2024-25 में 327 इलेक्ट्रिक बसों और आगामी चार वर्षों में 1932 बसों की खरीद की सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। बैठक में केंद्रीकृत इन्वेंट्री प्रबंधन प्रणाली का भी शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी दी।

हिमाचल में इस महीने होगा बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, तैयार की जा रही सूची

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

शिमला। लोकसभा चुनाव के चलते कई आईएएस, एचएएस, आईपीएस और एचपीएस अफसर बदले जाएंगे। अधिकारियों की इन दिनों सूची बनाई जा रही है। हिमाचल प्रदेश में इस महीने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल होगा। लोकसभा चुनाव के चलते कई आईएएस, एचएएस, आईपीएस और एचपीएस अफसर बदले जाएंगे। तीन साल से अधिक का एक स्थान पर सेवाकाल पूरा करने वाले अधिकारियों की इन दिनों सूची बनाई जा रही है। जल्द ही इनके तबादले किए जाएंगे। कुछ जिलों के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक सहित एसडीएम और डीएसपी स्तर के अधिकारियों को बदला जाना है। संभावित है कि 26 जनवरी के बाद तबादलों की सूची जारी होगी। अप्रैल-मई 2024 में लोकसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। चुनाव आयोग ने राज्य सरकार को ऐसे अफसरों को बदलने के निर्देश दिए हैं। जिनका कार्यकाल एक स्थान पर तीन साल से अधिक हो गया है। सरकार की ओर से अगर इन अधिकारियों को समय रहते नहीं बदला गया तो चुनाव आयोग स्वयं इस बाबत कार्यवाही करेगा। सरकार के उच्च अधिकारियों ने बताया कि बदले जाने वाले अधिकारियों की सूची बनाने का काम जारी है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से चर्चा करने के बाद तबादला आदेश जारी होंगे। बीते वर्ष प्रदेश की सत्ता पर काबिज होने के बाद राज्य सरकार ने बड़े स्तर पर जिला अधिकारियों के तबादले नहीं किए हैं। कई जिलों में वो ही उपायुक्त कार्यरत हैं तो पूर्व की भाजपा सरकार के समय नियुक्त थे। मुख्यमंत्री ने सत्ता संभालते ही कहा था कि हम पुरानी व्यवस्थाओं को आगे नहीं बढ़ाएंगे। सत्ता परिवर्तन के साथ अफसरशाही को नहीं बदला जाएगा। अब लोकसभा चुनाव नजदीक आते ही इन अधिकारियों को बदला जाना जरूरी हो गया है। तबादले होने की भनक लगते ही मनपसंद पोस्टिंग के लिए कई अधिकारियों ने सचिवालय के चक्कर काटना भी शुरू कर दिए हैं। यह अफसर अलग-अलग माध्यमों से मुख्यमंत्री से भी संपर्क साधने की जुगत भिड़ाने में जुटे हैं। शिमला, कांगड़ा, मंडी, कुल्लू के उपायुक्तों को बदला जाना तय है। यह अधिकारी काफी समय से जिलों में कार्यरत हैं।

अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए दिखा गजब का उत्साह

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

शिमला। हिमाचल की महिला हैंडबाल टीम ने 37वीं राष्ट्रीय गेम्स में शानदार शुरुआत की है। पहले मैच में प्रदेश की महिला टीम ने मेजबान गोवा को 51-8 से हराया। हिमाचल प्रदेश की टीम से मेनिका पाल, निधि शर्मा, मिताली, प्रियंका ठाकुर, शालिनी ठाकुर, गुलशन, भावना, संजना, दीपा, शैलजा, कृतिका ने गोल किए। वहीं कप्तान दीक्षा ठाकुर ने बेहतरीन गोलकीपिंग कर अपनी टीम को एकतरफा जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। गोलकीपर चेतना ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। प्रदेश टीम में शामिल 7 खिलाड़ी हाल ही में चीन में हुई एशियन गेम्स में भारतीय टीम से खेल चुकी हैं। एशियन गेम्स ने भारतीय महिला टीम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया था। उधर, हिप्र. ओलंपिक संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र कंवर, महासचिव राजेश भंडारी, कोषाध्यक्ष टीपी चोपड़ा और अन्य पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय गेम्स में हिप्र. महिला हैंडबाल टीम की ओर से पहले मैच को एकतरफा जीतने पर खुशी व्यक्त की है।

रामलला को महेश्वर सिंह भेंट करेंगे चांदी की चरण पादुका, चौउंर और चौकी अयोध्या हुए रवाना

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

कुल्लू। रामलला की जन्मभूमि अयोध्या से देवभूमि कुल्लू का 374 साल पुराना रिश्ता है। सन 1650 को भगवान रघुनाथ की मूर्ति को अयोध्या से कुल्लू लाया गया था। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में भाग लेने के लिए भगवान रघुनाथ के मुख्य सेवक महेश्वर सिंह गुरुवार को अयोध्या रवाना हो गए हैं। उनके साथ रघुनाथ के पुजारी सहित तीन लोग शामिल हैं। भगवान श्रीराम को रघुनाथ की ओर से चांदी की चरण पादुका, चौउंर और चौकी भेंट की जाएगी। रामलला की जन्मभूमि अयोध्या से देवभूमि कुल्लू का 374 साल पुराना रिश्ता है। सन 1650 को भगवान रघुनाथ की मूर्ति को अयोध्या से कुल्लू लाया गया था। 1660 को आश्विन की दशमी तिथि को कुल्लू पहुंची और यहां पर भगवान रघुनाथ की अध्यक्षता में देवी-देवताओं का बड़ा यज्ञ हुआ। इसी यज्ञ को कुल्लू दशहरा के रूप में मनाया जाने लगा। दरअसल 1650 में कुल्लू के तत्कालीन राजा जगत सिंह को दरबारी ने सूचना दी कि मड़ोली (टिप्परी) के ब्राह्मण दुर्गादत्त के पास सुच्चे मोती हैं। जब राजा ने ब्राह्मण से मोती मांगे तो राजा के डर से दुर्गादत्त ने खुद को अग्नि में जलाकर समाप्त कर दिया था। छानबीन करने पर पाया कि उसके पास मोती नहीं थे और राजा को रोग लग गया। ब्रह्म हत्या के निवारण को राजगुरु तारानाथ ने सिद्धगुरु कृष्णदास पथहारी से मिलने को कहा। पथहारी बाबा ने सुझाव दिया कि अगर अयोध्या से त्रेतानाथ मंदिर में अश्वमेध यज्ञ के समय की निर्मित राम-सीता की मूर्तियों को कुल्लू लाया जाए तो राजा रोग मुक्त हो सकता है। पथहारी बाबा ने यह काम अपने शिष्य दामोदर दास को दिया। एक दिन मौका पाकर वह राम-सीता की मूर्ति को उठाकर हरिद्वार होकर मकराहड़ पहुंचा। मूर्ति लाने के बाद राजा ने रघुनाथ के चरण धोकर पानी पिया और राजा का रोग खत्म हो गया। जिला देवी-देवता कारदार संघ के अध्यक्ष दोतराम ठाकुर कहते हैं कि इसके बाद राजा ने अपना सारा राजपाठ भगवान रघुनाथ को सौंपा और खुद भगवान रघुनाथ के मुख्य छड़ीबरदार बन गए। अब इस काम को महेश्वर सिंह निभा रहे हैं। रघुनाथ के मुख्य छड़ीबरदार महेश्वर सिंह को भी निमंत्रण मिला था। इसी के तहत महेश्वर सिंह अयोध्या के लिए रवाना हुए।

नदियों में घटा जलस्तर, 85 फीसदी तक गिर गया बिजली परियोजनाओं में उत्पादन

आदर्श हिमाचल ब्यूरो

शिमला। बीते लंबे समय से बारिश और बर्फबारी नहीं होने से नदियों में घटे जलस्तर के कारण बिजली परियोजनाओं में उत्पादन मात्र 15 फीसदी तक ही हो रहा है।सूखे की मार झेल रहे हिमाचल प्रदेश में बिजली उत्पादन 85 फीसदी तक घट गया है। बीते लंबे समय से बारिश और बर्फबारी नहीं होने से नदियों में घटे जलस्तर के कारण बिजली परियोजनाओं में उत्पादन मात्र 15 फीसदी तक ही हो रहा है। इस सीजन के दौरान आमतौर पर प्रदेश में बिजली उत्पादन 40 फीसदी तक होता रहा है। देश की सबसे बड़ी भूमिगत 1,500 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना नाथपा झाकड़ी में 90 फीसदी तक बिजली उत्पादन गिरने से उत्तर भारत के नौ राज्यों में बिजली संकट गहराने के आसार बन गए हैं। इस परियोजना की छह में से एक ही टरबाइन चल रही है। यह परियोजना सतलुज नदी पर बनी है और नदी में 70 क्यूमैक्स तक पानी का बहाव गिर गया है। इस परियोजना में ऐसे हालात करीब 17 वर्ष पूर्व बने थे। प्रदेश में अभी रोजाना 360 से 370 लाख यूनिट

बिजली की आवश्यकता है। प्रदेश में बिजली उत्पादन 2,500 लाख यूनिट से गिरकर 450 लाख यूनिट तक पहुंच गया है। 450 लाख यूनिट में से निजी बिजली कंपनियां और भारत सरकार के उपक्रम काफी यूनिट बिजली को उत्तरी ग्रिड में बेच भी रहे हैं। प्रदेश में अभी पंजाब से रोजाना 200 लाख यूनिट बिजली बैंकिंग के तौर पर ली जा रही है। इसके अलावा प्रदेश के अपने उत्पादन से बिजली सप्लाई लेकर काम चलाया जा रहा है। रोजाना 25 से 30 लाख यूनिट बिजली की खरीद भी ओपन मार्केट से करनी पड़ रही है। जल्द ही अगर बारिश और बर्फबारी नहीं हुई तो प्रदेश को बाजार से और अधिक बिजली की खरीद शुरू करनी पड़ेगी। बारिश-बर्फबारी न होने के कारण सतलुज में पानी का स्तर 70 क्यूमैक्स तक रह गया है, जो परियोजना की सभी छह टरबाइनों को घुमाने लिए नाकाफी है। यदि स्थिति ऐसी ही बनी रही तो आने वाले दिनों में बिजली संकट की समस्या हो सकती है।

- मनोज कुमार, परियोजना प्रमुख, एसजेवीएन, नाथपा झाकड़ी

'आदर्श हिमाचल' अखबार के लिए मालिक, प्रकाशक व मुद्रक देविंद्र सिंह द्वारा सेट नं. 6, अप्पर कैयू, शिमला-3 से प्रकाशित और विज्ञापना इंटरप्राइजिज, दुर्गा काटेज, एसडीए काम्पलैक्स कुसुम्पटी से मुद्रित। आदर्श हिमाचल से संबंधित सभी मामलों का निपटारा न्यायाकि क्षेत्र शिमला में होगा। फोन नंबर-9857537874, 9418694594, 8091152022।